



सोमवार

5 अगस्त 2024, श्रावण शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा, विक्रम सम्बत् 2081, धनबाद

नगर संकारण, तर्फ 14, अंक 183, 14 पेज, गूल्हा 5.00

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

• पांच प्रदेश • 21 संकारण

ट्रंप के खिलाफ
अभियोग रद्द
करने का
अनुरोध खारिजप्रमुख
पांचगर्भवती को निर्वस्त्र
घुमाने पर 14 को सजा1 राजस्थान में 20 वर्षीय
गर्भवती को निर्विवृत कर
घुमाने में पर्ति विभिन्न 14
पुलाएँ को 7-7 साल की
सजा निलंग।

P11

शिक्षकों का नाम पर बच्चे से
शारीरिक हिंसा कृतवा2 छातीसगढ़ दारिंदगांव ने कहा,
शिक्षा के नाम पर स्कूल में
बच्चों से शारीरिक हिंसा
कृता है।

P11

रिटर्न 30 दिनों के भीतर
सत्यापन पर ही रिफंड3 आयकर रिटर्न दाखिल
करने के 30 दिनों के भीतर
ई-सत्यापन लिही करने पर
रिफंड लड़ी निलंग।

P13

दीपिका ओलंपिक पदक
बिना संवाद सर्वान्वयन नहीं लेंगी4 तीरंदाज दीपिका कुमारी ने
कहा कि वह ओलंपिक में
पदक लिए बिना लौल की
अलिंगना नहीं करेगी।

P12

बजंट पर विपक्षी दावे
में कितना दम5 साल 2013-14 का गण
16.6 लाख करोड़ रुपये
का था और 2024-25
का गण 48.21 लाख
करोड़ रुपये का था
है, तो वहा दूर
सारे की इसी
अनुपात नहीं
देखना सही
होगा?

P08

झारखंड में बारिश थमी पर तबाही जारी, रांची जिले में दो दर्जन घर ध्वस्त भारत ने दस के दम पर अंग्रेजों सोन की बाढ़ में फंसे 16 को हाँकी में 4-2 से हराया

ओलंपिक

पेरिस, एजेंसी। भारतीय हाँकी टीम के धुम्कियों ने रविवार को क्वार्टर फाइनल में अंग्रेजों को परस कर दिया। भारतीय टीम करीब 42 मिनट तक दस खिलाड़ियों के साथ खेली। गोलकीपर पीआर श्रीजेश और डिफेंसरों ने अपने गोल पोर्ट को अपेक्षा बना दिया। आलम यह था कि अंग्रेजों ने भारतीय गोलपोर्ट पर 28 बार हमले किए, मगर केवल एक दफा गोल करने में सफलता मिली।

भारत ने पेनाल्टी शूटआउट में ब्रिटेन को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेनाल्टी शूटआउट में श्रीजेश हाँसे रहे, जिन्होंने दो गोल बचावान जीत तय कर दिया। क्वार्टर फाइनल में टीम को 18वें मिनट में ही झटका लगा, जब अनुभवी डिफेंसर अमित रोहिंदास को रोड कार्ड के चलते बाहर जाना पड़ा।

> देखें P12



प्रांत के कॉलेज में रविवार को हाँकी के पेनाल्टी शूटआउट में जीत के बाद जश्न।

लक्ष्य सेमीफाइनल में यूके पर पदक की उम्मीद कायम

प्रांती हाँकी ओलंपिक में खेल रहे युवा भारतीय शूटलर लक्ष्य सेम रविवार को गत वीकेंड और दूसरे वीकेंड दोनों गेम में बहले बाबानों के बाहजूद हार गए। सेमीफाइनल में हार के बाद भी लक्ष्य के पास अभी कांस्य पदक अपित रोहिंदास को रोड कार्ड के चलते बाहर जाना पड़ा।

लक्ष्य का सोमेयर को मलेंशिया के ली जिया से मुकाबला होगा।

लक्ष्य का सोमेयर को मलेंशिया के ली जिया से मुकाबला होगा।

तेनुघाट के पानी से बंगाल में बाढ़, ममता ने की हेमंत सेबात

रांची, झारखंड में दीप बाद मंगलवार से मानसून की गतिविधि में तेजी आई। छह अगस्त से दो दिन लगातार सभी हिस्सों में खांसे रहे। जमशेदपुर के कागर पर है। पानी खाते के निलान के पास पहुंच गया है। जमशेदपुर के निलान सताल, कोहलान, रामी और अर्य जिलों में बारिश के आसार हैं। मौसम केंद्र ने सताल में कहीं-कहीं भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

■ ममता की आपति के बाद सियासी पारा चढ़ा
■ ममता ने अपने अफसों को अलर्ट किया

भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के मुद्दे पर चर्चा की, जिसके पहले ही बांगल में बाढ़ आने शुरू हो गया है। ममता ने उल्लेख किया है कि झारखंड का पानी बांगल में बाढ़ की विधि के बांगल के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ की विधि है। उल्लेख अपनी भावाना से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवकाश कराया है। इधर, इस मामले को लेकर झारखंड में सियासी पारा चढ़ गया है।

ममता ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है कि उल्लेख हेमंत सोरेन से बंगाल में बाढ़ की गंभीर विश्वासी पर चर्चा की। उल्लेख ने हेमंत से तेनुघाट से अचानक

हजारीबाग के अर्थव्व और केरल के अविर्भव बने सुपरस्टार सिंगर

नई दिल्ली/रांची। हजारीबाग के अर्थव्व बक्की और केरल के अविर्भव ने सिंगरिंग रिस्टर्नी शो सुपरस्टार सिंगर-3 का खिताब रविवार की रात संयुक्त रूप से अपने नाम किलिया। पवनदीप राजन सुपरस्टार सिंगर-3 में अर्थव्व रुपरेश के कैटन थे। अर्थव्व ने उनके साथ जारी हो गया है। ममता ने उल्लेख के बक्की के कैटन थे। एक पर्सोन ने उल्लेख की अविर्भव की आवाज के कायल हो गए और वह यह मानव निर्मित है। उल्लेख ने अनुरोध किया कि कृपया इस बात का ध्वन रखें। साथ ही ममता ने अपने अधिकारियों को एक्सियाती कदम का निर्देश दिया है।

बजंट पर विपक्षी दावे
में कितना दम

5 साल 2013-14 का गण
16.6 लाख करोड़ रुपये
का था और 2024-25
का गण 48.21 लाख
करोड़ रुपये का था
है, तो वहा दूर
सारे की इसी
अनुपात नहीं
देखना सही
होगा?

आलक जोरी

बांगलादेश में फिर हिंसा, 100 की मौत

भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की

झेंडर ने बांगलादेश में भारतीय नायकों के छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

इसमें सलाह दी गई है कि वे देश में बढ़ती हिंसा की वजह से गैरजलूरी यात्रा से बचें।

लोगों की सहायता के लिए आपातकालीन सांकेतिक नियम प्रदान किए गए हैं। लोगों से कहा गया है कि जब तक जस्ती न हो, तब तक वह अपने घर के अंदर ही रहें।

फेसबुक, मैसेंजर, ब्लॉगर्स और इंस्टाग्राम को बढ़ करने का आदेश दिया गया है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं को इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया गया है।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए। माने वालों में 14 पुलिसकर्मी भी बातेए जा रहे हैं।

तानाव को देखते हुए बांगलादेश सरकार ने देश में शाम छठ बजे से अनिश्चितकालीन कार्फ्यु लगाया है। इसके बाद रात तक लोग धार्याल हो गए। अपने लोगों को बचाने के लिए वार्ता करते हुए लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रदर्शनकारी एक असहयोग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान अवामी लोग, छात्रों लोग धार्याल हो गए।

बताया जाता है कि प्रद

मौसम से सावधान

कशीर से कन्याकुमारी तक मौसम की मार सफ तौर पर प्रकट होने लगी है। मौसम जनित त्रासदियों का भी दुखद दौर तेज चल रहा है और देश पूरी मजबूती से प्रतिकूल स्थितियों का सम्पादन कर रहा है। जगह-जगह जल भराव है और गंदगी का भी साम्राज्य है, तो सबसे बड़ी चिंता बढ़ती बीमारियों की है। जहां बारिश ज्यादा हुई है, वहां भी और जहां बारिश कम हुई है, वहां भी नाना प्रकार की बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। राज्य सरकारों भी चिंतित हैं और केंद्र सरकार भी। सरकार ने भी यह मान लिया है कि इस वर्ष भारत में डेंगू के मामलों में बढ़िया हुआ है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देश भर में अब तक 32,091 डेंगू मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बहुत अधिक है। वैसे तो डेंगू के मामले आम तौर पर अक्तूबर में चरम पर होते हैं, लेकिन इस साल के रुझान से पता चलता है कि 31 जुलाई, 2024 तक मामलों की संख्या पिछले साल के इसी समय की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। चिंता यह हो रही है कि क्या आने वाले दिनों में डेंगू के मामलों में बढ़िया हुआ है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नेशनल सेंटर फर वेटर बोर्न डिजीज कंट्रोल के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया है कि इस साल जून में ही डेंगू का प्रकोप बढ़ गया था। डेंगू के कारण देश भर में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा 22 मौतें केरल में हुई हैं।

कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी मौतें हुई हैं। देश में डेंगू के प्रकार की स्थिति की नियमित समीक्षा और निगरानी शुरू हो गई है। यह जल्दी ही कि स्थिति का आकलन, तैयारी, तकनीकी मार्गदर्शन पर ध्यान दिया जाए और राज्यों को सचेत किया जाए।

अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। दूसरी तरह के बायरल बुखार का भी प्रकाप बढ़ा है। अस्पतालों को अपने स्तर पर चाक-चौंबंद रखने के साथ ही आम लोगों को भी सचेत रहना होगा। आसपास सफाई रखना और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है।

यह वैसे जलवायु परिवर्तन ने भी दुनिया में बीमारियों को बढ़ावा दिया है। अगर हम केवल डेंगू की ही बात करें, तो दुनिया के अनेक देशों में यह फैल रहा है और उन देशों में कीटों-मच्छरों से लड़ाई भी तेज हो रही है। रोचक है कि एक स्पेनिश प्रयोगशाला डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से लड़ने के लिए हजारों टाइगर मच्छरों का प्रजनन और बंधकाण कर कर्ही है। जलवायु परिवर्तन की बजह से कई प्रकार के आक्रामक कीटों को यूरोप में बढ़ावा मिला है। शायद भारत को भी ऐसी बीमारियों के खिलाफ बड़ी योजना बनाकर काम करना चाहिए।

बहरहाल, भारत में एक चिंता जीका बायरस को लेकर भी है। जलवायु परिवर्तन की बजह ने जीका बायरस रोग के प्रबंधन के लिए एक योजना तैयार की है और देश में 22 जुलाई तक जीका बायरस से ग्रेस मरीजों की संख्या 5.37 लाख पहुंच गई है। यह बायरस क्यों बड़ी चिंता की बजह बन रहा है? क्या किंतु खिलाफ लड़ाई में हम कमजूर पहुंच रहे हैं? जीका बायरस का प्रकाप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इस बायो राज्यों में फैलने से रोकेने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उत्तराएं और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतरकता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है और यह पुरानी सलाह हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए।

बहरहाल, भारत में एक चिंता जीका बायरस को लेकर कर्ही है। जलवायु परिवर्तन की बजह ने जीका बायरस रोग के प्रबंधन के लिए एक योजना तैयार की है और देश में 22 जुलाई तक जीका बायरस से ग्रेस मरीजों की संख्या 5.37 लाख पहुंच गई है। यह बायरस क्यों बड़ी चिंता की बजह बन रहा है? क्या किंतु खिलाफ लड़ाई में हम कमजूर पहुंच रहे हैं? जीका बायरस का प्रकाप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इस बायो राज्यों में फैलने से रोकेने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उत्तराएं और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतरकता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है और यह पुरानी सलाह हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

05 अगस्त, 1949

संयुक्त हिन्दैशिया

हिन्दैशिया में जिस नई आशा का उत्तर हुआ था, वह फलवती होती मालम पड़ी है। अन्तर्हिन्दैशियाई सम्मेलन सफलता के साथ समाप्त हुआ है।

प्रजातीयी तथा संघीय प्रतिनिधियों ने तीन दिन तक बटवाया में विचार करके अपनी खाइ बार कर ली है और देश में होने वाले बायरस रोग से सर्वात्मक सम्मेलन के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और प्रजातीयी प्रतिनिधि लड़ाई बन्द करने से पर ही जनामन्द नहीं हो गये हैं। डॉक्टर और प्रजातीयी लड़ाई बन्द करने के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और कार्यक्रम को नेटवर्क नहीं की है। यह बायरस क्यों बड़ी चिंता की बजह बन रहा है? क्या किंतु खिलाफ लड़ाई में हम कमजूर पहुंच रहे हैं? जीका बायरस का प्रकाप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इस बायो राज्यों में फैलने से रोकेने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उत्तराएं और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतरकता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है और यह पुरानी सलाह हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए।

संयुक्त हिन्दैशिया का प्रजातीय बायरस पर भारी वजह हो जाने के साथ-साथ यह भी मान लिया गया है कि सरकार ने जीका बायरस रोग के प्रबंधन के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और कार्यक्रम को नेटवर्क नहीं की है। यह बायरस क्यों बड़ी चिंता की बजह बन रहा है? क्या किंतु खिलाफ लड़ाई में हम कमजूर पहुंच रहे हैं? जीका बायरस का प्रकाप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इस बायो राज्यों में फैलने से रोकेने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उत्तराएं और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतरकता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है और यह पुरानी सलाह हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए।

हिन्दैशिया के लिए नियुक्त संयुक्त राष्ट्रीय कमीशन की मध्यस्थता से उपर्युक्त स्थिति के अनेकों ने यह फलवती होती मालम पड़ी है। इसलिए उसके वर्तमान अध्यक्ष (आस्ट्रेलियन प्रतिनिधि) श्री टी. के. किंचले की इस आशा को हमें महत्वपूर्ण मान रखते हैं।

प्रजातीयी तथा संघीय प्रतिनिधियों ने तीन दिन तक बटवाया में विचार करके अपनी खाइ बार कर ली है और देश में होने वाले बायरस रोग से सर्वात्मक सम्मेलन के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और प्रजातीयी प्रतिनिधि लड़ाई बन्द करने के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और कार्यक्रम को नेटवर्क नहीं की है। यह बायरस क्यों बड़ी चिंता की बजह बन रहा है? क्या किंतु खिलाफ लड़ाई में हम कमजूर पहुंच रहे हैं? जीका बायरस का प्रकाप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इस बायो राज्यों में फैलने से रोकेने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उत्तराएं और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतरकता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है और यह पुरानी सलाह हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए।

हिन्दैशिया के लिए नियुक्त संयुक्त राष्ट्रीय कमीशन की मध्यस्थता से उपर्युक्त स्थिति के अनेकों ने यह फलवती होती मालम पड़ी है। इसलिए उसके वर्तमान अध्यक्ष (आस्ट्रेलियन प्रतिनिधि) श्री टी. के. किंचले की इस आशा को हमें महत्वपूर्ण मान रखते हैं।

प्रजातीयी तथा संघीय प्रतिनिधियों ने तीन दिन तक बटवाया में विचार करके अपनी खाइ बार कर ली है और देश में होने वाले बायरस रोग से सर्वात्मक सम्मेलन के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और प्रजातीयी प्रतिनिधि लड़ाई बन्द करने के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और कार्यक्रम को नेटवर्क नहीं की है। यह बायरस क्यों बड़ी चिंता की बजह बन रहा है? क्या किंतु खिलाफ लड़ाई में हम कमजूर पहुंच रहे हैं? जीका बायरस का प्रकाप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इस बायो राज्यों में फैलने से रोकेने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उत्तराएं और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतरकता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है और यह पुरानी सलाह हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए।

हिन्दैशिया के लिए नियुक्त संयुक्त राष्ट्रीय कमीशन की मध्यस्थता से उपर्युक्त स्थिति के अनेकों ने यह फलवती होती मालम पड़ी है। इसलिए उसके वर्तमान अध्यक्ष (आस्ट्रेलियन प्रतिनिधि) श्री टी. के. किंचले की इस आशा को हमें महत्वपूर्ण मान रखते हैं।

प्रजातीयी तथा संघीय प्रतिनिधियों ने तीन दिन तक बटवाया में विचार करके अपनी खाइ बार कर ली है और देश में होने वाले बायरस रोग से सर्वात्मक सम्मेलन के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और प्रजातीयी प्रतिनिधि लड़ाई बन्द करने के लिए एक हो गये हैं। डॉक्टर और कार्यक्रम को नेटवर्क नहीं की है। यह बायरस क्यों बड़ी चिंता की बजह बन रहा है? क्या किंतु खिलाफ लड़ाई म



स्वतंत्रता दिवस विशेष

कृषि

कृषि और संबंधित क्षेत्रों में भारत की प्रगति स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से अब तक विशेष उल्लेखनीय रही है। इस क्षेत्र में कई क्रांतिकारी दौर आए, जिन्होंने देश के नाते खाद्यान्न उत्पादन और उपभोग आदि पर हमारी आत्मनिर्भरता बढ़ाई है।

महाशवित बनने की ओर तेजी से अग्रसर



आसामी राजा

प्रैफेसर, अर्थशास्त्र, दिल्ली विश्वविद्यालय

य

ह कहना सही होगा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज के आधार स्तरों में से एक है। यह क्षेत्र देश के सामान्य व्यवस्था में उत्पादन में 17% तक का योगदान देता है। इस देश में 70% से अधिक ग्रामीण परिवार अपनी आय के मुख्य स्रोत के रूप में कृषि पर निर्भर हैं।

वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान बढ़कर 19.9 प्रतिशत था और वर्ष 2024 में यह सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 18 प्रतिशत तक हो सकता है। अपने देश में कृषि पर देश की अर्थव्यवस्था निर्भर और प्रभावित रही है। संयोग से अपना देश दुनिया में अदरक, भिंडी और आलू से लेकर कपास तक कई फसलों का सबसे बड़ा उत्पाद हो गया है और दुनियापूर्व में कुल कृषि उत्पाद में दूसरे स्थान पर है। वैशिष्ट्य स्तर पर, भारत कृषि नियर्यात में योगदान और जीवीय कृषि में 6.74 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है।

भारतीय कृषि के नियर्यातक मोड़

हरित क्रांति ने 1960-1970 के दशक में खूब कमाल दिखाया। उसके बाद श्वेत क्रांति या ऑपरेशन फल्ड (1970-1980 के दशक में), नीली क्रांति (1980-1990 के दशक में), तकनीकी अपनाने के साथ उदारीकरण (1990 के दशक से वर्तमान तक) और एगटेक क्रांति (2010-वर्तमान) के मद्देनजर बहुत सुधार हुए हैं। भारत दूध उत्पादकों के बीच वैशिष्ट्यक राजा के रूप में उभरा। इसी तरह, नीली क्रांति ने मत्स्य पालन और जीवीय कृषि क्षेत्रों को लक्षित किया और मछली उत्पादन में उत्तराखणीय वृद्धि हुई। 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों में भारत द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, चाहे वह ट्रैक्टर, हावेस्टर, ड्रोन और सेंसर जैसे साइटिक कृषि उपकरण हों।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

भारत सरकार ने कृषि में आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 2024-25 में भारत की वास्तविक जीवीय वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत किया गया है। इसमें कृषि का योगदान महत्वपूर्ण रहने वाला है।

अप्रैल-जनवरी 2024 के दौरान कृषि उत्पादों का नियर्यात 38.65 अरब अमेरिकी डॉलर था।

2022-23 में कृषि उत्पादों का कुल नियर्यात 52.50 अरब अमेरिकी डॉलर था। यजवूत घरेलू मांग के कारण वित्त वर्ष 2024 में वस्तुओं के

42.3 प्रतिशत जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है।

18.2 प्रतिशत की हिस्सेदारी है कृषि की देश के सकल घरेलू उत्पाद में, आर्थिक संवेदन

2023-24 के अनुसार

19.65 हजार करोड़ रुपये यार्ड किए गए कृषि अनुसंधान में वर्ष 2022-23 में, आर्थिक संवेदन के अनुसार

329.7 मिलियन टन के सर्वकालिक उत्पाद पर पहुंच खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2022-23 में

प्रमुख कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में नियर्यात, वित्त वर्ष 24 (अरब डॉलर में)



कृषि नियर्यात में भारत की स्थिति (अरब डॉलर में)

149 करोड़ रुपये या 1950-51 में कृषि नियर्यात



1.52 लाख करोड़ रुपये दिए गए कृषि क्षेत्रों के लिए, बजट 2024-25 में। साथ ही उच्च पैदावार और जलवायु अनुकूल 32 फसलों की नई 109 किमी जारी होती है। प्रारंभिक खेती हेतु 10000 आवश्यकता आवासित जीव आदान संसाधन केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।

इन योजनाओं का मिला फायदा

- पीपी कृषि सिंचाई योजना
- हर खेत को पानी-सहायी नया सिंचाई
- पीपी के एसवाई-ग्राउंड वाटर
- महाराष्ट्र के लिए खास पैकेज
- राजस्थान व श्रीहिंदू फैजेंट
- शहपुर-कंडी प्रोजेक्ट

365.64

करोड़ रुपये आवासित किए गए हैं राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन के तहत इस वार के बजट में

7000

कृषि व संवेदन क्षेत्रों से जुड़े एग्री स्टार्टअप देश में हुए एकल 9 सालों में एक रिपोर्ट के अनुसार

आर्गेनिक फार्मिंग

- 44.3 लाख आर्गेनिक खेतों करोड़ वाले किसान हैं, आर्थिक संवेदन 2022-23 के अनुसार।
- 4.0 करोड़ हेक्टेयर खेती के तहत लाने की योजना।
- सिंचाई ग्राजिंग की आर्गेनिक खेती के तहत लाने की योजना।
- सिंचाई ग्राजिंग में दुनियाभर में पहचान।

कृषि आयात

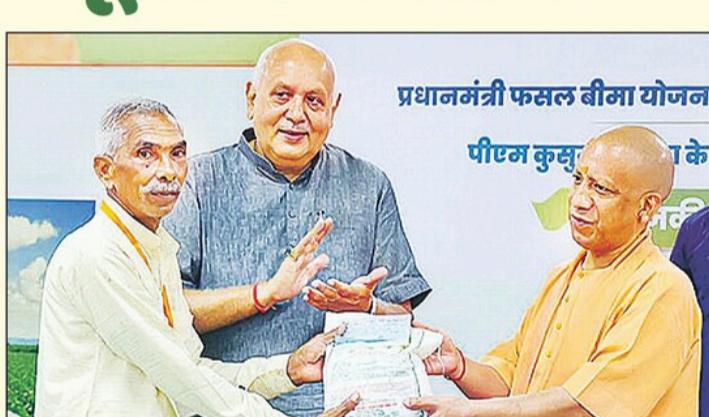
- 2004-05 में देश का कृषि आयात 18,924 करोड़ रुपये का था।
- 36 अरब डॉलर के करीब रहा भारतीय कृषि आयात 2022-23 में।

दांचे में कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं, गोदामों, कुशल आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास और ग्रामीण संघर्षों को मजबूत करना सामिल है। आगे बढ़ाने के लिए वैशिष्ट्यक राज्य की देश के आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है। हर वर्ष कृषि क्षेत्रों के लिए बजट भी बढ़ाया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करते हुए गेहूं, धान, दलहन, मक्का आदि की रिकार्ड सरकारी खरीदी की गई है। किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। प्राकृतिक कारणों से फसलों के नुकसान की स्थिति में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है।

दांचे में कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं, गोदामों, कुशल आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास और ग्रामीण संघर्षों को मजबूत करना सामिल होगा, ताकि कृषि उत्पाद बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सके।

वैशिष्ट्यक कृषि बाजार में भारत को एक महाशक्ति बनाने की दिशा में अनेक कार्यक्रमों पर काम चल रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि और संबंधित क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मजबूत बुनियादी 1.52 लाख करोड़ रुपये आवासित किए जाएंगे।

खुशहाल किसान यूपी की पहचान



उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार द्वारा कृषि विकास व किसान समृद्धि के लिए अनेक महत्वपूर्ण नियर्यात लिये गये हैं। सिंचाई के लिए निश्चिक विजली, मृदा हेल्थ कार्ड, तीन फसलों की बुवाई एवं उत्पाद, कम नियर्यात के लिए अनुसंधान और विकास उत्कृष्टता आदि शामिल हैं। फसलों की किसीमें, कीट प्रबन्धन और मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान करते हैं। दूसरा, मिट्टी के बहतर स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती को बढ़ावा, मिट्टी के पीरीक्षण को बढ़ावा देकर या उत्पादक स्थिरता के लिए पोषक तत्व प्रबन्धन करके मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मजबूत बुनियादी का विस्तार करना भी महत्वपूर्ण है।

जलरुप्रयासों में डिजिटल प्लेटफॉर्म, ड्रोन और एआई को बढ़ावा देना शामिल है, जो किसानों के लिए सुचना, मौसम पूर्वानुमान और बाजारों में पहुंच की सुविधा प्रदान करते हैं। दूसरा, मिट्टी के बहतर स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती को बढ़ावा, मिट्टी के पीरीक्षण को बढ़ावा देकर या उत्पादक स्थिरता के लिए पोषक तत्व प्रबन्धन करके मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मजबूत बुनियादी का विस्तार करना भी महत्वपूर्ण है।

ग्रासदी : जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से श्रीनगर-लेह राजमार्ग बंद बारिश-भूस्खलन से देश बेहाल केदारघाटी में सेना ने मोर्चा संभाला

श्रीनगर/शिमला, एजेंसी। पहाड़ों पर बादल फटने और कई राजमार्गों में मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और बाढ़ से देश बेहाल है। उत्तराखण्ड-हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही के साथ जम्मू-कश्मीर के गादरबाल जिले में शनिवार आधी रात के बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। इससे कई इमारतें और बाहनों को भारी नुकसान हुआ। सड़कों पर बड़े-बड़े छट्टान और मलबा जमा हो जाने से श्रीनगर-लेह राजमार्ग बंद हो गया। इससे कई घाटी घाटी का संपर्क लदाख से पूरी तरह कट गया।

बादल फटने से अमरनाथ यात्रा के लिए बालाटाल आधार शिविर तक संपर्क बाधित हो गया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि गांदरबल जिले के क्षेत्रमें सड़क क्षतिग्रस्त होने से श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर यात्रायात अगले आदेश तक रोक दिया गया है।

केदारघाटी में टॉली से बुज़ुर्गों को रेस्क्यू : केदारघाटी में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। सेना ने सोनप्रवास में बड़ा क्षेत्र के दौरे हिस्से में विवाह सुख्खी लालगार बायाल व बुजुर्ग यात्रियों को रेस्क्यू किया गया। वहीं, सोनप्रवास और गौरीकुंड को जोड़ने के लिए वैकल्पिक पुल एवं सड़कों का निर्माण



केदारनाथ मार्ग पर सोनप्रवास में रविवार को सेना के जवानों ने फंसे हुए यात्रियों को टॉली की मदद से निकाला। ● हिन्दुस्तान

'देवदू' ने दिल्ली के दो युवकों को बचाया

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ क्षेत्र में 31 जुलाई की रात आई आपदा के दौरान दिल्ली के दो युवक अकिञ्चन और मध्येश गौरीकुंड में छस पार। योद्धाओं को देवदू बनकर आए एसडीआरक के जवानों ने दोनों को झाँक की मदद से ढंग निकाला और रस्सी से सारे उनकी नदी से पार कर कर बचाया।

शुरू किया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दलों ने रविवार को 640 लोगों को रेस्क्यू

वायनाड में एक व्यक्ति ने परिवार के 16 सदस्य खोये

वायनाड। भूस्खलन से तबाह हुए वायनाड के चूरमाला निवासी 42 वर्षीय मंसूर ने अपने परिवार के 16 सदस्यों को खो दिया। इनमें उनकी मां, पत्नी, दो बच्चे, बहन और भाषी भी शामिल हैं। सीएम मोहन यादव ने घटना पर दुख व्यक्त किया और राजक के मुताबिक वक्फ बोर्ड जिस संपत्ति पर दावा करेगा, उसका स्वत्वान अनिवार्य होगा। साथ ही वक्फ बोर्ड की विवादित संपत्तियों के लिए अनिवार्य सत्यापन का प्रस्ताव किया जा सकता है।

रेणुताविकार मानते हैं कि महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखण्ड राज्यों में होने वाले विवाहसम्बन्ध चुनाव के महाराज यह संसोधन बेहद महत्वपूर्ण होंगे।

वक्फ अधिनियम 1995 में लागू किया गया था। इसका मकासद वक्फ के रूप में दान की गई और अधिसूचित संपत्तियों को नियन्त्रित कराना है।

विभिन्न समुदायों ने बदलाव की मांग की: सरकारी सत्रों का कहना है कि मुस्लिम बुद्धिजीवियों, महिलाओं, शिया और बोहरा जैसे विभिन्न

640 लोगों को केदारघाटी सेनिकाला **02** और शव मिलने से हिमाचल में मृतकों की संख्या **11 हुई**

मध्यप्रदेश के सागर में दीवार गिरने से नौ बच्चों की मौत सागर/रीवा। मध्यप्रदेश के सागर जिले में रिवार सुबह जारी मकान की दीवार ढहने से नौ बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इह घटना एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुई। सीएम मोहन यादव ने घटना पर दुख व्यक्त किया और राजक के मुताबिक वक्फ बोर्ड जिस संपत्ति पर दावा करेगा, उसका स्वत्वान अनिवार्य होगा। साथ ही वक्फ बोर्ड की विवादित संपत्तियों के लिए अनिवार्य सत्यापन का प्रस्ताव किया जा सकता है।

रेणुताविकार मानते हैं कि महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखण्ड राज्यों में होने वाले विवाहसम्बन्ध चुनाव के महाराज यह संसोधन बेहद महत्वपूर्ण होंगे।

वक्फ अधिनियम 1995 में लागू किया गया था। इसका मकासद वक्फ के रूप में दान की गई और अधिसूचित संपत्तियों को नियन्त्रित कराना है।

विभिन्न समुदायों ने बदलाव की मांग की: सरकारी सत्रों का कहना है कि मुस्लिम बुद्धिजीवियों, महिलाओं, शिया और बोहरा जैसे विभिन्न

वक्फ बोर्ड जिस संपत्ति पर करेगा दावा, सत्यापन होगा

| केंद्र की तैयारी |

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। केंद्र सरकार वक्फ अधिनियम में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में वक्फ अधिनियम में 40 संशोधनों पर चर्चा हुई।

बैठक में इस बात पर भी विचार किया गया कि पुराना कानून में 40 संशोधन करने के बाजे वक्फ न नया विधेयक पेश किया जाए। हालांकि, सरकार ने अभी इस मुद्दे पर अपना रुख साफ नहीं किया है। सरकार का मानना है कि विधेयक जल्द संसद में वक्फ किया जा सकता है। वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन के मुताबिक वक्फ बोर्ड जिस संपत्ति पर दावा करेगा, उसका स्वत्वान अनिवार्य होगा। साथ ही वक्फ बोर्ड की विवादित संपत्तियों के लिए अनिवार्य सत्यापन का प्रस्ताव किया जा सकता है।

वक्फ अधिनियम 1995 में लागू किया गया था। इसका मकासद वक्फ के रूप में दान की गई और अधिसूचित संपत्तियों को नियन्त्रित कराना है।

विभिन्न समुदायों ने बदलाव की मांग की: सरकारी सत्रों का कहना है कि मुस्लिम बुद्धिजीवियों, महिलाओं, शिया और बोहरा जैसे विभिन्न

मुस्लिम परसनल लॉ बोर्ड ने विरोध किया

ओल इंडिया मुस्लिम परसनल लॉ बोर्ड ने रविवार को कहा कि वक्फ बोर्ड की कानूनी स्थित और शक्तियों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप बढ़ावित नहीं। बोर्ड ने इन्हीं के सहयोगी दलों और विधायिक दलों से भी ऐसे किसी भी कदम को पूरी तरह से खारिज करने और संसद में ऐसे संशोधनों पर चर्चा हुई।

बैठक में इस बात पर भी विचार किया गया कि पुराना कानून में बदलाव की मांग की थी। देश भर में वक्फ बोर्ड के तहत 8 लाख 70 संपत्तियों के तहत 8 लाख 40 मुकाबले होते हैं। इन संपत्तियों के तहत कुल भूमि लगभग 9 लाख 40 हजार एकड़ है।

एआईएमआईएम के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद असदुल्लाह ऑवेसी ने कहा कि वक्फ एकटे में संशोधन के लिए एक विवादित विधेयक पेश किया जाए। वक्फ अधिनियम 1995 में लागू किया गया था। इसका मकासद वक्फ के रूप में दान की गई और अधिसूचित संपत्तियों को नियन्त्रित कराना है।

विभिन्न समुदायों ने बदलाव की मांग की: सरकारी सत्रों का कहना है कि मुस्लिम बुद्धिजीवियों, महिलाओं, शिया और बोहरा जैसे विभिन्न



श्रीनगर में रविवार को महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में छड़ी मुहरक को रीति रिवाज के अनुसार शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। ● एप्साइर्ड

घोटाले में तृणमूल विधायक को समन

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशलाल (ईडी) ने परिवार बालाव के विद्यालयों में भर्ती में अनियमिताओं को लेकर जारी तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कुण्डा साहा को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि साथ का घोटाल में सीलिंग के आरोपी ने विधायक विधेयक पेश किया जा सकता है।

विधायिक विधेयक पेश किया जा सकता है। इन संपत्तियों के तहत कुल भूमि लगभग 9 लाख 40 हजार एकड़ है।

एआईएमआईएम के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद असदुल्लाह ऑवेसी ने कहा कि वक्फ एकटे में संशोधन के लिए एक विवादित विधेयक पेश किया जा सकता है। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि साथ का घोटाल में एक पहाड़ी के द्वारा बालाव के विधेयक पेश किया जा सकता है।

अमेरिका के पार्क में भारतीय युवक का शव मिला

वार्षिंगटन। अमेरिका के मोटाना प्रांत के लेसिपर नेशनल पार्क में पिछले फरवरी

दून वाले दो युवकों ने एक विवादित विधेयक पेश किया जा रहा है। यह जारी रहा है।

महाराष्ट्र के अनुसार एक पहाड़ी के द्वारा बालाव के विधेयक पेश किया जा रहा है। यह जारी रहा है।

एआईएमआईएम के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद असदुल्लाह ऑवेसी ने कहा कि वक्फ एकटे में संशोधन के लिए एक विवादित विधेयक पेश किया जा सकता है।

विधायिक विधेयक पेश किया जा सकता है। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि वक्फ एकटे में संशोधन के लिए एक विवादित विधेयक पेश किया जा सकता है।

विधायिक विधेयक पेश किया जा सकता है। जांच एजेंसी के ए

मिशन ओलंपिक

26 जुलाई से 11 अगस्त

■ अंतिम तीन क्वार्टर दस खिलाड़ियों से खेली भारतीय हॉकी टीम ■ ब्रिटेन को शूटआउट में हरा लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में

श्रीजेश फिर बने संकटमोचक

पेरिस, एजेंसी। पीआर श्रीजेश एक बार फिर हॉकी टीम के लिए संकटमोचक साथियां हुए। भारतीय हॉकी की दीवार के जाने वाले के लिए 36 साल के गोलकीपर ने रविवार को ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 1-1 पेनल्टी कॉर्नर बचाए। उकेरे भारत ने ब्रिटेन के क्विक्स के दम पर भारत को भेज कर लगातार दूसरी बार ओलंपिक के सेमीफाइनल में जगह बनाकर सुनहरे तमगे की उम्मीद जगा दी है।

दीवार डिफेंस: तारीफ करनी होगी भारतीय डिफेंस के जिसने श्रीजेश की अगुवाई में ब्रिटेन के हर हमले का बचाव करते हुए उसे बढ़ात नहीं बनाने दी। ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और सिर्फ एक कामयाबी मिली। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर होने पर मुकाबला शूटआउट में गया। भारत के लिए हरमनप्रीत ने 27वें मिट्ट में गोल किया। शूटआउट में भी अपना अंतिम ट्रॉनमेंट खेल रखे श्रीजेश ने दो शैनदार बचाव कर टीम को जीत दिलाई। भारत ने शूटआउट में 4-2 से विजय का फरवरी।

सुमित ने गांगुली की तर्ज पर प्रभाव जश्न: भारतीय खिलाड़ी जीते के बाद काफी भासक दिखे। उनकी आंखों में खुशी के अंसू थे और वहीं, सुमित कुमार ने शैरव गांगुली की तर्ज पर जश्न मनाया। उन्होंने अपनी टी-शर्ट उतारकर घर में लहाइ। सोशल मीडिया पर सुमित ने जश्न तोड़ी से वायरल हो रहा। गैरवल बोल रहे हैं कि पूर्ण भारतीय कर्तव्य सौरव गांगुली ने इलैंड के खिलाफ लॉर्ड में साल 2002 में जीते के बाद टी-शर्ट उतारकर लहाइ थी।

जर्मनी या अर्जेंटीना से होगी टक्कर: फाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम का समान छह अग्रसर का जर्मनी या अर्जेंटीना से होगा। टोक्यो में भारतीय टीम ने जर्मनी को हारकर ही कांस्य जीता था। टीम आखिरी बार 1980 मार्को ओलंपिक में चैपियन बनी थी।

तीन बरस बाद फिर ब्रिटेन: तीन बरस पहले टोक्यो में भारतीय टीम ब्रिटेन को ही हराकर अंतिम चार में पहुंची थी। इसके बाद श्रीजेश ने कांस्य के मुकाबले में जर्मनी के खिलाफ कई गोल बचाए।



थे। इससे भारत 41 साल बाद पदक जीतने में सफल रहा।

रोहिदास को रोहिदास के रोपीन को गत 18वें मिट्ट में ही रोह कार्ड दिखा दिया।

अर्जेंटीना की अंतिम तीन क्वार्टर में दस खिलाड़ियों के साथ खेली। चौथे क्वार्टर के शुरुआती दो मिट्ट ने खिलाड़ियों के साथ भी खेलना पड़ा। जब रोपीन ने तीसरे क्वार्टर में सुमित को गोलकीपर को जिक्र किया। शूटआउट के दौरान गोलकीपर को किंविंग देने और गोलकीपर द्वारा वीडियो टेबलेट के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए।

जीत के बाद गोलकीपर श्रीजेश को गले लगाते हैं। वहीं, सुमित कुमार ने शैरव गांगुली की जीत को खोला।

जीत के बाद गोलकीपर श्रीजेश को गले लगाते हैं। वहीं, सुमित कुमार ने शैरव गांगुली की जीत को खोला।

हॉकी इंडिया ने अंपायरिंग पर चिंता व्यक्त की

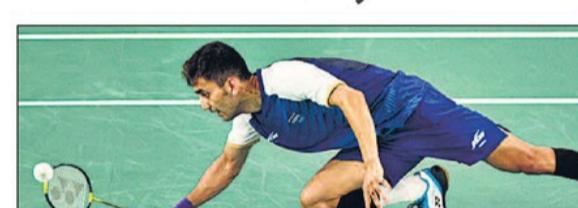
हॉकी इंडिया ने अधिकारिक तौर पर अंपायरिंग की गुणवता पर चिंता व्यक्त की। यह शिकायत भारत और ब्रिटेन के बीच मैच से संबंधित थी। हॉकी इंडिया ने तीन अंम विद्युतों पर उताएं साल। इनमें रोहिदास को रेड कार्ड दिखाने के संबंध में असंगत वीडियो अंपायर समीक्षा प्रणाली का जिक्र किया। शूटआउट के दौरान गोलकीपर को किंविंग देने और गोलकीपर द्वारा वीडियो टेबलेट के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए।

शूटआउट में चारों भारतीय ने दागे गोल

भारत	ब्रिटेन
हरमनप्रीत सिंह	जेम्स अलवेरी
सुखीतल सिंह	जाक वालांस
लिलित उपाध्याय	कोनोर विलियम्सन
राजकुमार पाल	फिलिप रोपर

चैपियन विक्टर से हारे लक्ष्य, कांस्य के लिए खेलेंगे

पेरिस, एजेंसी। बाली बाद पदक



पेरिस में रविवार के खिलाफ सेमीफाइनल में शेटल पिक करते लक्ष्य।

बद्रत बनाने के बाबजूद डेनमार्क के विक्टर के हाथों 54 में 20-22, 14-21 से हार मिली। पहले गेम में तो लक्ष्य ने रविवार को एक-एक अंक के द्वारा देखा रखा था। उसने अपने बाली बाद पदक

बी एक समय वह 7-0 की बढ़त बना चुके थे पहले बाली बाद पदक

पेरिस में रविवार के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के बाद भी लक्ष्य

के पाल बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

के बाली बाद पदक जीतने के बाबजूद इसके हाथों 7-0 की बढ़त बना चुके थे। उसने अपने बाली बाद पदक

जोकोविच को 37 साल की उम्र में पहला ओलंपिक स्वर्ण

अपना बिजनेस

जब घुटना, कंधा या कमर दर्द सताए
तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं



Clinically Tested*
*For efficacy and safety.

'डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल'
आज ही ले आएं

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्त्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल जोड़ी के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सुरक्षित एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित भंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लावे समय तक बना रहता है।

Dr. Juneja's
डा. ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com



आईटीआर को 30 दिन में सत्यापित करने पर ही रिफंड मिलेगा

ध्यान दें

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर रिटर्न दखिल करने की अंतिम तिथि खत्म होते ही आयरिंफंड जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अपनी देनारी से अधिक टैक्स क्युके चाहे वाले करदाता ही रिफंड प्राप्त करने के दखिल करने के लिए उसे इसका जरूरी है कि वे रिटर्न दखिल करने के 30 दिन में भीतर उसे ई-सत्यापन करें।

इसके बाद ही विभाग रिफंड जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। अगर करदाता ई-सत्यापन से चुक जाते हैं तो रिफंड का दावा खारिज हो जाएगा। आईटीआर का ई-सत्यापन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से किया जा सकता है।

इसलिए जरूरी है-ई-सत्यापन

करदाता जिस तारीख को आईटीआर को ई-सत्यापित करता है, उसी तारीख की प्रिफंड या शुरू हो जाती है। अपार्टर पर सत्यापन की तारीख से पैसा आने में 15 दिन से लेकर 2 महीने तक का समय लग सकता है। यदि रिटर्न में गडबड हो तो रिफंड प्रक्रिया में देरी हो सकती है। ऐसे मामला में सशोधित रिटर्न दखिल करना पड़ सकता है।



अपने रिफंड की स्थिति ऐसे जांच सकते हैं

1 आयकर विभाग के पोर्टल (www.incometax.gov.in) पर जाएं। यूजर आईडी (पैन संख्या) और पासवर्ड डालकर लॉग इन करें।

2 मार्ड अकाउंट पर विलक्ष करें।

3 अब पावरी संख्या पर विलक्ष करें।

4 रिफंड डिमांड स्टेटस को खोलें। यह इनकम टेक्स रिटर्न को बुनें।

किस आईटीआर के लिए कितना समय

आईटीआर-1 10 से 15 में भीतर रिफंड मिल जाता है। यह समय वित्तीय उत्तर के लिए है। जिसके पार्सीं 16 के आधार पर रिटर्न जमा किया है।

आईटीआर-2 रिफंड आने में करीब 20 से 45 दिन का समय लग जाता है। यूंके इस रिटर्न काम में व्यापार आप सहित कही प्रक्रिया की जानकारिया शामिल होती है, जिनकी बारीकी से जांच की जाती है।

आईटीआर-3 लगभग दो महीने का समय लगता है। यूंके इस रिटर्न काम में व्यापार आप सहित कही प्रक्रिया की जानकारिया शामिल होती है, जिनकी बारीकी से जांच की जाती है।

समय पर पैसा वापस पाने के लिए ये काम करें....

■ सर्वांगीन आईटीआर विवरण और सही बैंक खाता विवरण को सुनिश्चित करें।

■ आयकर आटोपी, नेट बैंकिंग या भौतिक प्रति के माध्यम से आईटीआर को सत्यापित करें।

■ पर्सीकृत इमेल और ई-फाईलिंग पोर्टल के माध्यम से आयकर विभाग से प्राप्त नोटिस की जांच करें।

■ यदि कोई विवरण या त्रुटि हो तो आयकर अधिकारी की धारा 154 के अंतर्गत सुधार अनुरोध दावा करें।

■ समय पर अधिसूचना के लिए बैंक खाते और बैंक स्टेटमेंट के माध्यम से रिफंड को द्रैक करें।

अगर विलंब हो जाए तो...

■ सबसे पहले अपना ई-मेल जारी। आयकर विभाग रिफंड या किसी तरह की कोई विवरण जानकारी ई-मेल के जरूर भेजता है।

■ रिफंड दावा खारिज हो गया हो तो करदाता रिफंड जारी करने के लिए दोबार अनुरोध कर सकते हैं।

■ यदि दावा लंबात हो तो पॉर्टल पर इसके शीघ्र निपटारे के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

इन वजहों से देरी समंभव

1. बैंक खाते का गलत विवरण दर्ज हो।

2. बैंक खाते पूर्ण सत्यापित न हो।

3. आईटीआर में सही जानकारी न हो।

4. आईटीआर की स्क्रूटनी हो।

5. करदाता पर गिरफ्तार कर देनारी हो।

6. आय की गणना में गडबड हो।

बाजार 30^s

कमोडिटी

	भाव (रुपयी)	बदलाव	करेसा डॉक्टर/स्प्रिंग	भाव (रुपयी)
सोना	65,900	+400	83.73	+00.05
चांदी	87,000	+1000		

श्रीलंका के साथ एफटीए में रियायत मांगी

नई दिल्ली। भारत एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत श्रीलंका से कारों, वाणिज्यिक वाहनों और शीर्षनीर्त वाहनों की विवरण दिया जाता है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच एफटीए पर बातचीत जारी है। भारत और श्रीलंका के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच 14 वें दोर की वार्ता हाल ही में कोलोनी में संपन्न हुई।

देश में सीमेंट की मांग सात-आठ प्रतिशत बढ़ेगी

नई दिल्ली। देश में बालू वित वर्ष में सीमेंट की मांग सात से आठ प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। अट्रोटिक सीमेंट ने हाल ही में जारी सालाना रिपोर्ट में कहा कि इस वृद्धि को देशभर में निर्माण गतिविधियों में बढ़तीरी से बदल मिली। कंपनी ने कहा कि इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सीमेंट उत्तराखण्ड में कारबोनाइज़ेड वर्कर्ष (एस-टी-टी) का उन्नयन हुआ है।

कारोबारी चर्चा

कंज्यमर करेसा इन्डिशिप

नीआएसई ने मेधा सर्वे ड्राइव्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए...

सिस्टम के संयुक्त निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। नीसेना और वाणिज्यिक दोनों प्लेटफॉर्म पर उपयोग किए जाने वाले एक बैंक रिटर्न सर्विस के तहत, गार्डन चिल्डर्स लिमिटेड ने मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 को हैदरगाद इतिहास भैरव अंतर्गत कर सकता है।

गोल्ड बॉन्ड में

सिस्टम के संयुक्त निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। नीसेना और वाणिज्यिक दोनों प्लेटफॉर्म पर उपयोग किए जाने वाले एक बैंक रिटर्न सर्विस के तहत, गार्डन चिल्डर्स लिमिटेड ने मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 को हैदरगाद इतिहास भैरव अंतर्गत कर सकता है।

इस्पात सविव श्री नारेंद्र नाथ सिन्हा ने कोलकाता स्थित

एमएसटीसी मुख्यालय का दौरा किया

बिलेश्वर के साथ विवेक श्री नारेंद्र सिन्हा ने कोलकाता स्थित एमएसटीसी मुख्यालय के बारे में विवरण दिया। नीसेना और वाणिज्यिक दोनों प्लेटफॉर्म पर उपयोग किए जाने वाले एक बैंक रिटर्न सर्विस के तहत, गार्डन चिल्डर्स लिमिटेड ने मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 को हैदरगाद इतिहास भैरव अंतर्गत कर सकता है।

विवेक श्री नारेंद्र सिन्हा ने कोलकाता स्थित एमएसटीसी मुख्यालय के बारे में विवरण दिया। नीसेना और वाणिज्यिक दोनों प्लेटफॉर्म पर उपयोग किए जाने वाले एक बैंक रिटर्न सर्विस के तहत, गार्डन चिल्डर्स लिमिटेड ने मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 को हैदरगाद इतिहास भैरव अंतर्गत कर सकता है।

एनआईटी राउकेला के शैक्षणिक वर्ष 2023-24 ने दर्ज किया

उत्कृष्ट प्लॉसमेंट सीजन...

गार्डन चिल्डर्स लिमिटेड ने एक संस्थान विवेक श्री नारेंद्र सिन्हा ने कोलकाता के बारे में विवरण दिया। नीसेना और वाणिज्यिक दोनों प्लेटफ

